धन्नाजी महाराज

- जन्म → चारु गांव
- गुरु → रामानन्दजी
- प्रमुख पीठ → धुवंन टोंक
- मेला → बैशाख शुक्ल द्वादशी
- मोती सागर बांध → टोंक
- ग्रन्थ → संत गुनसागर | नाममाला
- स्मारक → बोबनेर

राज० मे भक्ति आन्दोलन के प्रारम्भ कर्ता

रैदास जी :(चमार जाति)

- राय दासी सम्प्रदाय
- रचना → पर्ची
- मीरा बाई के गुरु रहे
- छतरी → चित्तौड़ दुर्ग

आचार्य तुलसी दास जी

- जन्म → लाडनू-नागौर
- अणुव्रत आन्दोलन 1949
- मर्यादा महोत्सव का आयोजन

महिला सन्त :

↳ मीरा बाई →

↳ राज० की राधा भक्त शिरोमणि

↳ जन्म → 1498 कुड़की गाव ब्यावर

पिता → रत्न सिंह

राणा सांगा की पुत्र वधु भोजराज की पत्नी थी

ससुराल → मेवाड़

बचपन का नाम → पेमल

आध्यात्मिक गुरु → परशुराम आचार्य

धार्मिक गुरु → गजाधर गौड़ ← शान्तासागर (माण्डल) पुर जागीरदार

विवाह के बाद गुरु → रैदास जी

मीरा बाई के पति भोजराज की मृत्यु के बाद मीरा ने दास दासी सम्प्रदाय चलाया

भक्ति → सगुण भक्ति

भाव → दाम्पत्य भाव

रचना → पदावली

→ ब्रज भाषा

मीरा बाई की रचना : मीरा पदावली

↳ नरसी मेहता री हुण्डी

↳ सत्य भामा जी री रूसणो

↳ रुक्मणी मंगल

→ 1546 में 48 वर्ष की आयु द्वारिका गुजरात रणछोड़ मन्दिर में कृष्ण प्रतिमा में विलीन हुयी

→ राज. साहित्य अकादमी का सर्वोच्च पुरस्कार → मीरा बाई पुरस्कार

↳ मीरा महोत्सव → चित्तौड़गढ़

↳ 1952 में मीरा बाई पर डाक टिकट जारी

अन्य महिला सन्त

- सहजो बाई → अलवर
- दया बाई → अलवर
- करमा बाई → नागौर
- करमेती बाई → खण्डेला सीकर
- ताज बेगम → कोटा
- रूपा दे → मारवाड़ की मीरा → बाड़मेर
- समान बाई → अलवर → आंखो पर पट्टी बांधी → अलवर
- राना बाई → दूसरी मीरा → नागौर

सूफी सन्त :

- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती
- गुरु → शेख उस्मान हारूनी

पिता → ग्यासुद्दीन अहमद
माता → बीबी मनहूर | शाहेनूर

→ उपाधि : सुल्तान-उल- | आफताब-ए-हिन्द

→ ग्रन्थ → कश्फुल इसरार

→ 1192 → मोहम्मद गौरी के साथ आये

→ कर्मस्थली → अजमेर

→ उर्स → 1 रजब 6 रजब → 9 रजब

✓ वर्तमान → दिसम्बर → (813 वा उर्स) भरा

शब्दावली

- स्थान → खानकाह
- उत्तराधिकारी → वल्ली
- गुरू → पीर
- शिष्य → मुरीद
- यात्रियों → जायरीन
- प्रसाद → तबुरुक

शिष्य → हमीदुद्दीन नागौरी
→ बख्तियार काकी
→ रामदेव

1989 में डाक टिकट जारी (1 रुपये)

- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के पुत्र → फखरुद्दीन चिश्ती
- चिश्ती सम्प्रदाय अल्लाह ताला की उपासना प्रेमिका के रूप में करते हैं

ख्वाजा की दीवानी

उर्स का उद्घाटन भीलवाड़ा का गौरी परिवार

मुगल शासक अकबर ने 18 गांव दिये
मेवाड़ शासक जगतसिंह II → 3 गांव दिये

→ अकबर ने बड़ी देग का निर्माण
→ जहांगीर ने छोटी देग का निर्माण
→ मुगल शासक अकबर 14 बार ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आये
→ मुगल शासक अकबर पैदल 2 बार आये

नरहड़ पीर : बांगड़ के धनी

↳ हज़रत शक्कर पीर बाबा

↳ दरगाह → चिड़ावा झुन्झुनु

↳ 3 दरवाजे → बुलन्द दरवाजा, बसंती दरवाजा, काली दरव

↳ उर्स → कृष्ण जन्माष्टमी के दिन

हम्मीदुद्दीन नागौरी :→

- एकमात्र सूफी सन्त जो शुद्ध शाकाहारी थे तथा कृषि कार्य करते थे
- → इन्हे तारकीन का सुल्तान कहा जाता है।
- → दरगाह → सफीक गिनानी तालाब के नागौर
- इन्होंने सुवाल गांव को प्रमुख केन्द्र बनाया।
- इनके खण्डहर महलो को फूल महल कहा जाता है।

→ फखरुद्दीन चिश्ती → सनवाड़ अजमेर

→ पीर फखरुद्दीन की दरगाह → डुंगरपुर → गलीयाकोट → (माहीनदी)

↳ दाउदी बोहरा सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ

→ मलिक शाह की दरगाह → जालौर

→ पीर सदरुद्दीन की " → रणथम्भौर स॰माधोपुर

→ दीवान शाह की दरगाह → चित्तौड़गढ़

→ अखबरी मस्जिद → नागौर

चल फिर शाह की दरगाह → चित्तौड़गढ़

नौ गजापीर की दरगाह → चित्तौड़गढ़

जामा मस्जिद → बांरा, भरतपुर

शेरशाह सुरी मस्जिद → जोधपुर

मीरान साहब की दरगाह
घोड़े की मजार
} → तारागढ़ दुर्ग अजमेर

गुलाब खाँ का मकबरा → जोधपुर दुर्ग

अब्दुल खाँ का मकबरा → अजमेर

काकाशाह की दरगाह → प्रतापगढ़